लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक 16 - 30 नवंबर 2022 www.haryanasamvad.gov.in अंक -54

"निःस्वार्थ भाव से सेवा एवं सहयोग करने से शांति, सुकून व अच्छी नींद मिलती है।

मेडिकल कॉलेजों का निर्माण प्रगति पर

3

कृषि व उद्योग का तालमेल एग्रो टेक

4

पराली खरीद के लिए बनेगी कमेटी

6

पंचायत चुनाव

सर्वसम्मति पर होती सहमति

शिक्षित उम्मीदवारों की अनूठी पहल

मनोज प्रभाकर

गांव की सियासत करवट बदल रही है। पांच-सात बरस पहले तक राजनीति में रुचि रखने वाले जो उम्मीदवार अंकगणित में कमजोर थे वे वोट के गणित में खूब माथा पच्ची करते थे। अब जब पंचायत चुनाव में शिक्षित उम्मीदवार अनिवार्यरूपेण आ गए हैं, तो वे वोट के गणित में पड़ना नहीं चाहते। बहुतों का मानना है कि 'म्हारे लोक, म्हारा तंत्र' तो चुनाव प्रक्रिया किस बात की।

पढ़े-लिखे युवाओं का विचार 'आइये बैठकर बात करने' का है। वे चौधर की बात न करते हुए गांव के विकास की बात करना पसंद करते हैं। जो प्रत्याशी काबिल लगेगा उसे प्रतिनिधि मान लिया जाएगा। बाकी लोग उसकी मदद करेंगे। अलबत्ता तो इसकी जरुरत पड़ेगी नहीं, अगर कहीं प्रतिनिधि पर भरोसा कम हुआ तो उसके लिए एक निगरानी कमेटी बना दी जाएगी। विकास होगा तो आखिर अपने गांव का ही होगा। तो क्यूं न पुरानी परंपराओं को हाशिए पर रखते हुए गांव के सामूहिक विकास पर ध्यान दिया जाए।

उनका मानना है कि इस पहल का कोई नुकसान नहीं होगा बल्कि फायदे होंगे। गांव के विकास के लिए राज्य सरकार की ओर से अपेक्षाकृत अधिक पैसा मिलेगा।

सबसे अहम बात, गांव में प्रेम, सौहार्द व भाईचारे बिगड़ने की गुंजाइश ही नहीं रहेगी। क्या जरुरत है किसी के पक्ष या अपक्ष को जानने की? परिवार में वोटिंग होगी तो कोई न कोई किसी एक पाले में जाएगा ही। ऐसा होने पर सवाल उठेंगे कि फलां मेरी ओर क्यूं नहीं? उस ओर क्यूं?

इन सब आशंकाओं को शुरू से ही दरकिनार करते हुए युवा प्रत्याशी 'सर्वसम्मति' की ओर बढ़ रहे हैं। आने वाले समय में यह परंपरा और आगे बढ़ेगी, ऐसा माना जा रहा है।

प्रदेश में इस बार 6220 सरपंच, 61993 पंच, 3081 ब्लॉक समिति सदस्य व 411 जिला परिषद सदस्यों के लिए चुनाव कार्यक्रम तय हुआ था। तीन चरणों में मतदान कार्यक्रम तय किया गया। प्रदेश में जहां जहां मतदान हुआ लोगों ने पूरे उत्साह से भाग लिया।

मतदान के बाद दो चार दिन तक तो यह भान रहा कि उसने मेरी या फलां की वोट नहीं दी। उसके बाद धीरे धीरे सभी ग्रामीण अपनी-अपनी दिन चर्या में व्यस्त हो गए। वे सारी बातें भूल गए जो मतदान पूर्व वोटों का गणित बनाने बिगाड़ने के लिए कही गई थी। किसी ने परिवार या ठोले की ठेकेदारी ली थी तो किसी ने पूरे मोहल्ले की वोटों की कथित जिम्मेवारी ली थी। चुनाव के बाद गांव में अक्सर होता है। लोग एक दूसरे का मखौल भी उड़ाते हैं जिसमें सारे वैमनस्य तिरोहित हो जाते हैं। कहने का तात्पर्य ग्रामीण गांव के सियासी पर्व का खूब आनंद उठाते हैं। बहुत कम लोग हैं जो चुनावी चक्कलस को दिल पर ले बैठते हैं वरना सभी लोग इसे सियासी दंगल समझते हुए भूल जाते हैं।

हरियाणा राज्य निर्वाचन आयुक्त धनपत सिंह ने बताया कि पहले चरण में 9 जिलों भिवानी, झज्जर, जींद, कैथल, महेंद्रगढ़, नूह, पंचकूला, पानीपत और यमुनानगर में पंच व सरपंच पदों के चुनाव के लिए वोट डाले गये। इस चरण में कुल 48 लाख 80 हजार 506 मतदाता रहे। कुल मतदान लगभग 81 प्रतिशत रहा। 25,967 पंचों में से 17,158 सर्वसम्मति से चुने गये। सरपंच पद के लिए 133 गणमान्यों को सर्वसम्मति से चुना गया, जिसमें 74 पुरुष और 59 महिलाएं हैं। 2,472 सरपंच पद के लिए 11,391 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। पहले चरण के मुताबिक सर्वसम्मति से जिला यमुनानगर में सबसे ज्यादा 40 सरपंच व 2610 पंच चुने गए।

दूसरे चरण में अम्बाला, चरखी दादरी, गुरुग्राम, करनाल, कुरुक्षेत्र, रेवाड़ी, रोहतक, सिरसा और सोनीपत में पंचायत समिति सदस्यों व जिला परिषद सदस्यों के लिए मतदान हुआ। इसमें 33 लाख 44 हजार 672 मतदाताओं ने मतदान किया। यहां पर भी सैंकड़ों गणमान्यों को सर्वसम्मति से पंच व सरपंच बनाया गया।

प्रोत्साहन राशि

पंचायत चुनाव में सर्वसम्मति से चुनी गई पंचायतों को 11 लाख रुपए, सरपंच को पांच लाख रुपए, पंच को 50 हजार रुपए, जिला परिषद सदस्य को पांच लाख रुपए तथा ब्लॉक समिति सदस्य को दो लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि का राज्य सरकार की ओर से प्रावधान किया गया है।

'म्हारी पंचायत' पोर्टल पर देखें चुनावी अपडेट

धनपत सिंह ने कहा कि इस बार के पंचायत चुनाव की गतिविधियां 'म्हारी पंचायत' पोर्टल पर देखी जा सकेंगी। मतदान प्रतिशत को देखा जा सकेगा। वहीं मतगणना के दिन ई-डैशबोर्ड पर नतीजों को देखा जा सकेगा। चुनावों के रूझान, मतदान प्रतिशत व अंतिम नतीजों को कोई भी घर बैठे पोर्टल पर देख सकता है।

आदमपुर हलके में और तेजी से होंगे विकास कार्य

सीएम मनोहर लाल ने कहा भाजपा में चुनावी जीत का श्रेय सामूहिक

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी में किसी भी चुनाव की जीत का श्रेय किसी व्यक्ति विशेष को न मिलकर सबको सामूहिक रूप से मिलता है।

उन्होंने कहा कि भाजपा एक ऐसा राजनीतिक दल है, जिसमें पार्टी प्रत्याशी, पार्टी कार्यकर्ता व नेता सब मिलकर चुनाव लड़ते हैं। आदमपुर उपचुनाव में मिली जीत के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि उपचुनाव में पार्टी को बड़ी जीत मिली है। कहा कि आदमपुर विधानसभा क्षेत्र में 600 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं पर कार्य किया गया है और आने वाले समय में और भी तेजी से विकास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चौधरी भजन लाल के देहांत के बाद आदमपुर क्षेत्र के साथ विकास के मामले में तत्कालीन सरकारों ने भेदभाव किया, लेकिन मौजूदा राज्य सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बराबर विकास कार्य करवा रही है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि नवनिर्वाचित विधायक भव्य बिश्नोई की पहली जिम्मेदारी क्षेत्र के विकास की रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा जिस भी राज्य में एक बार शासन में आ जाती है तो लगातार आगे बढ़ती है।

भव्य विश्नोई बने नए विधायक

आदमपुर हलके के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी भव्य बिश्नोई ने कांग्रेस के जयप्रकाश को 15740 वोटों से हरा दिया। कुलदीप बिश्नोई के बेटे भव्य को 67 हजार 376 वोट मिले जबकि कांग्रेस के जेपी को 51 हजार 662 वोट मिले।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव की तैयारी

गीता स्थली कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर राज्य सरकार की ओर से अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव को बड़ा स्वरूप दिया जा रहा है। इसके मद्देनजर महोत्सव में उच्च स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन होगा। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की तरफ से ब्रह्मसरोवर पुरुषोत्तमपुरा बाग श्रीकृष्ण-अर्जुन रथ के साथ हाइटेक तकनीक की राज्यस्तरीय प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इस प्रदर्शनी में 40 से ज्यादा विभागों की योजनाओं तथा विकास कार्यों का दर्शाया जाएगा।

मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव तथा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा के महानिदेशक डा. अमित अग्रवाल ने बताया कि जिला स्तर पर गीता जयंती समारोह 2,3 व 4 दिसंबर को आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान गीता से संबंधित प्रदर्शनी आयोजित होंगी तथा इसी विषय को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। गीता महोत्सव में विभाग की तरफ से 29 नवंबर से 4 दिसंबर तक राज्य स्तरीय प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

डा. अमित अग्रवाल ने कुरुक्षेत्र स्थित ब्रह्मसरोवर पुरुषोत्तमपुरा बाग में राज्य स्तरीय प्रदर्शनी के स्थल का निरीक्षण करने के उपरांत अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले उन्होंने मेला क्षेत्र में गीता ज्ञान संस्थानम व जीओ गीता के तत्वाधान में 19 नवंबर से शुरु होने वाली कथावाचक मुरारी बापू की कथा के भूमि पूजन कार्य म में पहुंचे। यहां पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद के साथ मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया और हवन यज्ञ में आहुति डाली।

बिना आवेदन बनेंगे बीपीएल कार्ड

राज्य सरकार की ओर से जल्द ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की सूची जारी की जाएगी। बीपीएल कार्ड के लिए किसी भी परिवार को आवदेन नहीं करना होगा। ये कार्ड परिवार पहचान पत्रों में दर्शायी गई जानकारी के आधार पर बनाए गए हैं। जिन परिवारों की वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपए से कम है उनका नाम बीपीएल सूची में रखा जाएगा। जानकारी के मुताबिक इन परिवारों को आयुष्मान योजना के तहत उपचार कराने की सुविधा मिलेगी।

संपादकीय

एक ओर समृद्धि, दूसरी ओर संस्कृति

हरियाणा के सर्वांगीण विकास का कीर्तिमान अद्भुत शिखर चूम रहा है। एक ओर जहां मुख्यमंत्री के अनथक प्रयासों से प्रदेश को 'एग्री बिजनेस बैस्ट स्टेट' का अवार्ड मिला है, वहां दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के रूप में प्रदेश नया इतिहास रचने जा रहा है।

विपरीत परिस्थितियों के बावजूद एक ओर खेत लहरा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर संस्कृति एवं तीर्थ-देशाटन में भी प्रदेश काफी आगे निकल चुका है। भारतीय कृषि को उत्पादक-केंद्रित से बाजार संचालित व्यवस्था में बदलने की यात्रा में हरियाणा राज्य ने मार्गदर्शक की भूमिका निभाई है। हरियाणा सरकार द्वारा कृषि और बागवानी के क्षेत्र में सुधार के मद्देनजर सिंचाई के लिए पानी का उचित उपयोग, कम पानी की खपत वाली फसलों का विविधिकरण और किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करने सहित अनेक कदम उठाए गए हैं। हरियाणा मुख्य रूप से कृषि प्रधान राज्य है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में पिछले आठ सालों में हरियाणा सरकार निरंतर विविधीकरण के माध्यम से हरियाणा के किसानों के लाभ और आय को बढ़ाने की दिशा में प्रयास कर रही है।

इधर, कुरुक्षेत्र के 48 कोस की परिधि के अंतर्गत आने वाले 75 तीर्थों पर भी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को लेकर सांस्कृतिक कार्य' मों का आयोजन होगा। इन तीर्थों पर हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक विभाग की तरफ से कार्य' मों की प्रस्तुति दी जाएगी। यह कार्यक्रम इस वर्ष 19 नवंबर से लेकर 4 दिसंबर तक आयोजित किए जाएंगे। केडीबी के अधिकारियों को 48 कोस तीर्थों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम करने के निर्देश दिए गए हैं। इन 48 कोस के अंतर्गत करनाल, कैथल, जींद, कुरुक्षेत्र और पानीपत के 75 तीर्थों को शामिल किया गया है। तीर्थ कमेटी या फिर ग्रामीणों के साथ तीर्थ स्थल पर हवन यज्ञ, धार्मिक कार्य' म भी आयोजित किए जाएंगे।

इसी क्रम में प्रदेश की संस्कृत अकादमी व साहित्य अकादमी ने 'श्रेष्ठ कृति सम्मान' घोषित कर दिए हैं। कुल मिलाकर प्रदेश ने हर क्षेत्र में अनूठे कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

मुख्यमंत्री ने गत दिवस करनाल में हरियाणवी लोक गायक दादा लखमी पर बनी फिल्म 'दादा लखमी' को स्पेशल स्क्रीनिंग में देखा। इसके बाद उन्होंने फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि यह फिल्म हरियाणवी लोक कला व संस्कृति को अपने में समेटे हुए है। फिल्म के निर्माता और निर्देशक ने इतने चैलेंजिंग विषय पर फिल्म बनाई, यह अपने आप में बेहद सराहनीय कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इस तरह की फिल्मों पर निरंतर काम होना चाहिए हालांकि बॉलीवुड में भी हरियाणवी बोली में फिल्में बन रही हैं लेकिन जब फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हरियाणा के लोग इस तरह के विषयों पर फिल्म बनाते हैं तो ज्यादा उत्साहवर्धन होता है। हरियाणा के बहुत से कलाकार बॉलीवुड में काम कर रहे हैं, उन्हें भी हरियाणवी संस्कृति व लोक कला को आगे बढ़ाने के लिए फिल्मों पर काम करना चाहिए।

यह हरियाणा व पूरे प्रदेशवासियों के लिए हर्ष व गर्व का विषय है कि दादा लखमी फिल्म को माननीय राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सर्वोत्तम हरियाणवी फिल्म के रूप में पुरस्कृत किया गया है। ये हरियाणा की एक मात्रा फिल्म है जो आज तक के इतिहास में कांस फेस्टिवल में 2021 में ऑनलाइन प्रदर्शित की गई। यह फिल्म लगभग 300 लोगों की छह साल की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

पंडित लखमी चंद हरियाणा और हरियाणवी की गौरवपूर्ण शान थे। सोनीपत जिले के गांव जाटी में उनका जन्म हुआ। छोटी उम्र में ही वह इतने प्रसिद्ध हो गए थे कि लोग 50-50 मील से बैलगाड़ी पर उनकी रागिनी सुनने और सांग देखने के लिए आया करते थे। उन्हें हरियाणा का शेक्सपियर भी कहा जाता है। उनके द्वारा रचित रचनाओं को आज भी नए दौर के नायक नए-नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। हरियाणा और हरियाणवी बोली के लिए दादा लखमी का योगदान अतुल्य है।

-डॉ. चन्द्र त्रिखा

रामकृष्ण मिशन विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ वैल्यूज

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जिस प्रकार वायु की कोई दिशा नहीं होती, जिधर दबाव होता है उसी तरफ़ वायु चली जाती है, उसी प्रकार युवाओं को भी सही दिशा देना ज़रूरी है, जिसमें संत महात्माओं की महत्वपूर्ण भूमिका है, उन्हें संस्कारित करना ज़रूरी है। मुख्यमंत्री गुरुग्राम के सेक्टर-47 में नवनिर्मित राम कृष्ण मिशन विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ वैल्यूज के प्रदेश के पहले केंद्र में ऑडिटोरियम का उद्घाटन करने उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के आदर्श हैं। वर्तमान परिवेश में युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों से अवगत कराया जाए ताकि वे प्रेरित होकर सन्मार्ग पर चलें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के चित्र के सामने जाते ही युवाओं में जोश भर जाता है। स्वामी विवेकानंद जी के समय संस्कारयुक्त शिक्षा का जो पौधा लगाया गया था, आज वह वट वृक्ष का रूप लेकर न केवल देश में अपितु पूरे संसार में उनके विचारों का प्रचार-प्रसार कर रहा है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्वामी विवेकानंद की सोच को अपनाये हुए हैं और उन्हीं के विचारों को अपनाते हुए देश को एक सूत्र में पिरोने में लगे हैं। 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' उनको सोच का केंद्र बिंदु हैं। देशवासियों में आपस में सांस्कृतिक विचारों का आदान-प्रदान हो और सभी एकजुट रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की धरती संत महात्माओं की धरती है। यहां से भगवान श्रीकृष्ण ने पूरी मानवता को गीता का दिव्य संदेश दिया था। उन्होंने बताया कि गीता के संदेश को प्रसारित करने के लिए कुरूक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव मनाया जाता है। गीता के संदेश का प्रसार पूरी दुनिया में करने के लिए मॉरीशियस, कनाडा, यूके में अंतरराट्रीय गीता महोत्सव के कार्यक्रम आयोजित करवाए गए और अब ऑस्ट्रेलिया में इंडियन डायस्पोरा से भी वहां पर गीता जयंती के कार्यक्रम आयोजित करने की मांग आ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार भौतिक विकास जैसे कि रेल, सड़क, भवन, स्कूल व अस्पताल के निर्माण का रचनात्मक कार्य करती हैं लेकिन संत महात्मा मनुष्य का निर्माण करते हैं जो निश्चित रूप से संस्कार व शिक्षा के साथ देश को आगे बढ़ाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें खुशी है कि इस संस्था के 200 केंद्र है, हरियाणा में यह पहला केंद्र गुरुग्राम में शुरू हुआ है।

कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना

हरियाणा सरकार के कर्मचारियों, पेंशनभोगियों, उनके आश्रितों और कुछ अतिरिक्त श्रेणियों के लिए कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना का आरएफपी भविष्य को ध्यान में रखकर निश्चित समय सीमा में तैयार किया जाएगा।

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एम्पैनल्ड निजी अस्पतालों की भौगोलिक दृष्टि से मैपिंग की जाए, ताकि सरकार के पास सभी जिलों में स्थित ऐसे अस्पतालों का रियल टाइम डाटा उपलब्ध हो सके और आपात स्थिति में त्वरित मदद पहुंचाई जा सके। साथ ही, इस बीमा योजना के लिए अधिकारियों व कर्मचारी संघों से भी सुझाव लेकर मसौदा तैयार किया जाए ताकि इसे और अधिक बेहतर बनाया जा सके।

इनको मिलेगा फायदा

कौशल ने बताया कि इस योजना के तहत 6 लाख 51 हजार से अधिक कर्मचारियों के परिवार लाभान्वित होंगे। इनमें श्रेणी-1 के तहत हरियाणा के सरकारी व निगम कर्मचारियों के 3 लाख 43 हजार 746 परिवार, पेंशनर्स के 3 लाख 5 हजार परिवारों को यह लाभ मिलेगा। इसी प्रकार, इस कैशलैस स्वास्थ्य बीमा योजना में श्रेणी-2 में मान्यता प्राप्त पत्रकारों के 1200 परिवार, आजाद हिंद फौज के सैनिकों के 424 परिवार, आपातकाल के दौरान जेल में बंद रहे व्यक्तियों के 555 परिवार, हिंदी आंदोलन से जुड़े व्यक्तियों के 186 परिवार, दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जेल में बंद व्यक्तियों के 614 परिवार भी शामिल किए जाऐंगे।

ये रोग होंगे शामिल

कैशलेस बीमा योजना के तहत सभी इनडोर उपचार डायलिसिस, मोतियाबिंद, कीमोथेरेपी, रक्त आधान आदि जैसी सभी डे केयर बीमारियाँ, 18 पुरानी बीमारियों की जांच और दवाओं का लाभ दिया जाएगा। इस योजना के तहत जिन परिवारों का बीमा 3 लाख से अधिक का होगा, वे ओपीडी सेवाओं के लिए प्रति वर्ष 25 हजार रुपये तक कैशलेस स्वास्थ्य का लाभ ले सकेंगे। इसमें परामर्श शुल्क (वास्तविक आधार पर 1000 रुपये की ऊपरी सीमा के साथ), जांच शुल्क और दवाएं शामिल होंगी।

बीमा कंपनी करेगी भुगतान

कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और आश्रितों के लिए उनकी पात्रता के अनुसार (वर्तमान प्रतिपूर्ति नीति के अनुसार) पैनल में शामिल अस्पतालों में असीमित कैशलेस उपचार हो सकेगा। श्रेणी 2 के लाभार्थियों को 5 लाख रुपये तक का बीमा कवरेज दिया जाएगा। 3 लाख रुपये प्रति परिवार प्रति वर्ष के दावों का भुगतान बीमा कम्पनी द्वारा किया जाएगा। इससे अधिक के राशि के दावों के भुगतान की प्रकिया बीमा कम्पनियों द्वारा पूर्ण की जाएगी और आयुष्मान भारत के तहत पैनल अस्पतालों द्वारा इसका भुगतान किया जाएगा।

- संवाद ब्यूरो

कॉफी टेबल बुक 'हरि सदन' का लोकार्पण

हरियाणा विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने हरियाणा विधानसभा की नई परम्पराओं और अभिनव प्रयोग के 3 गौरवशाली वर्षों पर प्रकाशित कॉफी टेबल बुक 'हरि सदन' का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता, विधानसभा उपाध्यक्ष श्री रणबीर गंगवा, परिवहन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती कमलेश ढांडा, सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता मंत्री श्री ओमप्रकाश यादव एवं विधायक उपस्थित रहे।

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
स्टाफ राइटर : संगीता शर्मा
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति से संस्कृत को प्रभावपूर्ण भाषा बनाने के लिए कार्य होगा। संस्कृत को जन भाषा बनाने का प्रयास होगा।

राज्य सरकार ने वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एनजीटी ग्रेडिड रिस्पोंस एक्शन प्लान की गाइडलाइन को लागू करने के निर्देश दिए हैं। यह सभी वन्य जीवों के स्वास्थ्य के लिए भी ज़रूरी है।

मेडिकल कॉलेजों का निर्माण प्रगति पर

संगीता शर्मा

हरियाणा सरकार प्रदेश में चिकित्सा सेवाओं में बढ़ोतरी करने के लिए चौतरफा प्रयास कर रही है। न केवल ढांचागत विकास किया जा रहा है बल्कि मेडिकल व पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती भी की जा रही है।

कई जिलों में मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं। इन मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कार्य पूरा होते ही एमबीबीएस के लिए 2,900 छात्रों के दाखिले किए जाएंगे। सरकार ने एमबीबीएस की सीटें बढ़ाई हैं और भविष्य में भी इन सीटों को बढ़ाया जाएगा ताकि डॉक्टरों की कमी को पूरा किया जा सके। प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि 1,000 की जनसंख्या के ऊपर एक डॉक्टर की तैनाती के लक्ष्य को पूरा किया जाए। यह मापदंड विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित किया गया है। मेडिकल तथा डेंटल कॉलेजों के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में ई. डब्ल्यू.एस के प्रार्थियों को दस प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। भिवानी में 535.55 करोड़ रुपए, गांव हेबतपुर, जींद में 663.86 करोड़ रुपए, गुरुग्राम में 500 करोड़ रुपए तथा कोरियावास जिला महेन्द्रगढ़ में 598 करोड़ रुपए की लागत से मेडिकल कालेज स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है।

राज्य में कई मेडिकल कॉलेजों का विस्तार किया जा रहा है, जिससे सुविधाओं में इज़ाफा हो सके। कल्पना चावला सरकारी महाविद्यालय, करनाल, फेज-2 के निर्माण का निर्णय लिया गया है। कल्पना चावला सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय फेज-2 का निर्माण 373.25 करोड़ की लागत से शुरू होने जा रहा है और इसके लिए हरियाणा पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन को कार्यकारी ऐजेंसी नियुक्त किया गया है। भगत फूल सिंह राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, खानपुर कलां सोनीपत के फेज-3 के निर्माण का निर्णय लिया गया है। इस प्रोजेक्ट के लिए एन.बी.सी.सी. को कार्यकारी ऐजेंसी नियुक्त किया गया है तथा 466.00 करोड़ रुपए की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट सरकार की अनुमोदना के लिए भेजी गई है।

कैथल, सिरसा और यमुनानगर में तीन नए राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। पंचकूला, पलवल, फतेहाबाद, चरखी दादरी में भी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किए जाएंगे। गांव छायंसा, जिला फरीदाबाद में श्री अटल बिहारी वाजपेयी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना की जा रही है और चिकित्सा महाविद्यालय के परिसर में अस्पताल कार्यरत है। सरकार 172.65 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से शहीद हसन खान मेवाती सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय नल्हड़, नूह परिसर में एक दंत महाविद्यालय स्थापित करने जा रही है। तीन सरकारी महाविद्यालयों, शहीद हसन खान मेवाती सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय, नूह, मेवात, कल्पना चावला सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय, करनाल व भगत फूल सिंह खानपुर कलां सोनीपत मे पैरा मेडिकल कोर्सिज की शुरुआत करने की अनुमति सरकार द्वारा प्रदान की जा चुकी है। राज्य के सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोले गए हैं।

नर्सिंग कालेज

राज्य में पैरा मेडिकल स्टाफ की उच्च शिक्षा के उचित प्रबंध किए जा रहे हैं। सफीदों, जींद में एक सरकारी नर्सिंग कालेज का निर्माण करने का निर्णय लिया गया है और किराए के भवन में नर्सिंग कालेज शुरू किया गया है। कैथल, कुरुक्षेत्र, रेवाड़ी, पंचकूला में एक-एक व फरीदाबाद में 2 नर्सिंग कालेज का निर्माण कार्य 194.30 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण कार्य प्रगति पर है। कुटैल, करनाल में 761.51 करोड़ रु. की लागत से पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

सरकारी मेडिकल कॉलेज, नारनौल (कोरियावास)

सरकारी नर्सिंग कॉलेज, खेड़ी राम नगर, कुरुक्षेत्र

पं. दीन दयाल उपाध्याय स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कुटैल, करनाल

2025 तक हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज

''सर्वे भवन्तु सुखिनः'' के मंत्र पर काम करते हुए केंद्र और राज्य सरकार दोनों ने नागरिकों के लिए कई स्वास्थ्य पहल की हैं। अस्पताल बनाना जितना जरूरी है, उतना ही ज़रूरी पर्याप्त संख्या में अच्छे डॉक्टरों का होना व दूसरे पैरामेडिकल स्टाफ का उपलब्ध होना भी है। इसके लिए भी देश व राज्यों में मिशन मोड पर काम किया जा रहा है। प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की थी। अपने आठ साल के कार्यकाल के दौरान नए मेडिकल कॉलेज खुलने से एमबीबीएस की सीटें 1,735 हो गई हैं और जब प्रदेश के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खुल जाएंगे तो यह सीटें 2,900 हो जाएंगी। इससे प्रदेश में डॉक्टरों की कमी नहीं रहेगी।

-मनोहर लाल, मुख्यमंत्री, हरियाणा

कुशल प्रबंधन के साथ संपन्न हुई सीईटी परीक्षा

» दो दिनों में 7,53,000 उम्मीदवारों ने दी परीक्षा
» रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा रही

सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) सुव्यवस्थित व सूचारू ढंग से सम्पन्न हो गई है। इस परीक्षा के लिए कुल 11,36,897 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। एनटीए यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी और हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अवलोकन के बाद 10,78,864 आवेदन सही पाये गये और 58,033 आवेदन डबल या अधूरे होने के कारण रद्द कर दिये गये। 10,78,864 आवेदकों में से कुल 9,52,408 उम्मीदवारों ने अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड किये। इन डाउनलोड किये गये प्रवेश पत्रों के आधार पर एन.टी.ए. ने चार चरणों में 5 और 6 नवम्बर को परीक्षा आयोजित की गई।

आवेदन करने वाले सभी उम्मीदवारों को चार चरणों में विभाजित करके परीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा हरियाणा के 17 जिलों और केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ़ में सम्पन्न कराई गई। सबसे अधिक केन्द्र हिसार में 65 और यमुनानगर में सबसे कम 9 केन्द्र बनाये गये थे। यमुनानगर में वार्षिक कपाल मोचन मेला का आयोजन था,। इसलिए यहां कम परीक्षा केन्द्र बनाए गए।

भोपाल सिंह खदरी ने बताया कि एन.टी.ए. के साथ-साथ आयोग द्वारा भी अपने सदस्यों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। वे स्वयं और आयोग के सचिव अपने कार्यालय में बने नियन्त्रण कक्ष से सभी जिलों और केन्द्रों की गतिविधियों पर कड़ी नजर बनाये हुये थे और जहां कोई कमी दिखाई देती थी, तुरन्त अपनी टीम से सम्पर्क करके उस कमी को दूर किया जा रहा था। कार्यालय स्थित टोल फ्री नम्बर पर आने वाली शिकायतों को सीधे एन.टी.ए. के अधिकारियों को प्रेषित करके हल किया जा रहा था।

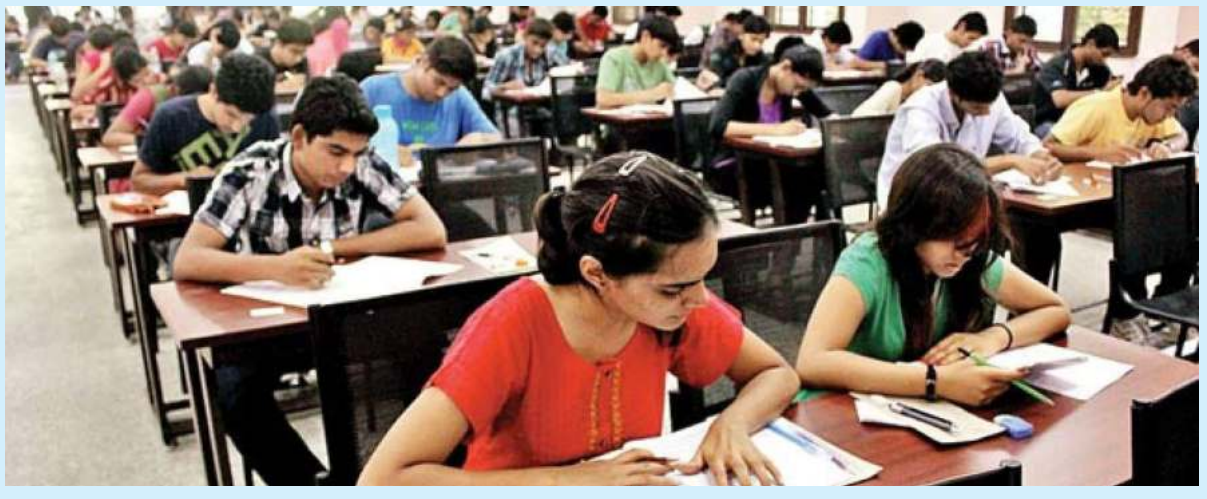

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष भोपाल सिंह ने बताया कि दो दिनों तक हुई इस परीक्षा में चार शिफ्टों में लगभग 7,53,000 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी और परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों का प्रतिशत लगभग 70 रहा। किसी भी जिले या स्थान से कोई नकल या अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली।

सीईटी परीक्षा देने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने और वापसी के लिए मुफ्त परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाई गई। महिला परीक्षार्थियों के साथ एक परिवारिक सदस्य को भी परीक्षा केन्द्र तक लाने और वापसी के लिए भी मुफ्त यात्रा सुविधा प्रदान की गई। इस व्यवस्था के लिए हरियाणा सरकार करीब 13,700 बसों का प्रबंध किया। एक जिले से दूसरे जिले तथा एक उपमण्डल से दूसरे उपमंडल तक कुल 82 रूट चिह्नित किए गए।

अभ्यार्थियों की सुविधा के लिए विभिन्न रेलों की समय सारिणी भी प्रदर्शित की गई ताकि परीक्षा के लिए आने-जाने में कोई परेशानी न हो।

- संवाद ब्यूरो

ठोस व तरल कचरा प्रबंधन के लिए हरियाणा सरकार देशभर में सबसे अच्छे कदम उठा रही है। सरकार ने तत्काल ट्रीटमेंट वाटर को लेकर पॉलिसी बनाई है।

प्रदेशभर में तालाबों का जीर्णोद्धार के लिए पौंड अथॉरिटी बनाई है। प्रदेश में 18 हजार तालाब में से 1,726 तालाबों को चिह्नित किया गया है। अभी तक 611 तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य पूरा किया जा चुका है।

कृषि व उद्योग का तालमेल एग्रो टेक

संगीता शर्मा

चंडीगढ़ के सेक्टर-17 के परेड ग्राउंड में आयोजित चार दिवसीय '15 वें सीआईआई एग्रो टेक इंडिया 2022' (4 नवंबर-7 नवंबर तक) में किसानों को जहां प्रदर्शनी देखने व जानकारी हासिल करने का मौका मिला, वहीं सेमिनार के माध्यम से भी किसानों व इस क्षेत्र से संबंधित लोगों ने विशेषज्ञों से ज्ञानवर्धन किया। मेले में लोगों ने कृषि से संबंधित यंत्रों व ट्रैक्टरों की जानकारी हासिल करने के साथ-साथ सेल्फी भी ली। 16,000 वर्ग मीटर में फैली प्रदर्शनी में स्टार्ट-अप-पवेलियन आकर्षण का केंद्र रहा। यहां कुल 258 प्रदर्शक थे। यहां मुख्य रूप से सस्टेनेबल एग्रीकल्चर पर चार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए, जिसका कई लोगों ने लाभ उठाया। चार दिनों में 20,000 से अधिक किसानों ने प्रदर्शनी का दौरा किया।

अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शकों ने किसानों को किया आकर्षित

सीआईआई एग्रो टेक इंडिया 2022 के 15वें संस्करण में जर्मनी, नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शकों की बड़ी भागीदारी देखी गई। प्रदर्शकों द्वारा प्रदर्शित अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, तकनीक और उत्पाद क्षेत्र के किसानों के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र बने रहे। टोबी विलियम्स, तकनीकी प्रबंधक, एग्नोवा टेक्नोलॉजीज ने देश में बहुप्रतीक्षित कृषि प्रदर्शनी का हिस्सा बनने की ख़ुशी व्यक्त करते हुए कहा, हमें यहां प्रदर्शनी में प्रदर्शित किए गए फ़्यूज़न नोवा ट्रैप के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है।

खारी सुरेरां किसान उत्पादक संगठन ने किन्नू व मालटे की किस्में प्रदर्शित की। रोहतक की अतुल्या बी मास्टर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड एफपीओ से शहद की विभिन्न किस्में, मुरब्बे व विनेगर प्रदर्शित किया और ग्राहकों ने इसे खरीदने में ख़ासी रुचि दिखाई। इस समूह के अनिल संधू ने बताया कि मेले में कई साल से भाग ले रहे हैं और बहुत अच्छा रिस्पॉन्स आता है। सोनीपत के अटेरना ऑर्गेनिक फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी के किसानों ने बेबी कॉर्न की अनेक किस्में प्रदर्शित की। मरौली ग्राम संपदा एफपीओ ने भी बेबी कॉर्न और सीडलेस रंग-बिरंगी शिमला मिर्च की किस्में प्रदर्शित की। खेवरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, अर्शल एग्रो फूड प्रोड्यूसर कंपनी ने भी अपने उत्पाद प्रदर्शित करके किसानों व आमजन को नवीनतम जानकारी दी।

पंजाब और हरियाणा एग्रो टेक इंडिया 2022 में मेजबान राज्य रहा, जबकि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर एक भागीदार राज्य बना। सीआईआई एग्रो टेक इंडिया 2022 का उद्घाटन माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने किया।

श्री धनखड़ ने कहा कि कृषि और उद्योग के बीच तालमेल बनाकर और सभी प्रासंगिक हितधारकों को एक मंच पर लाकर एग्रो टेक इंडिया के साथ एक अद्भुत काम किया है। हमारा अंतिम उद्देश्य अपने किसानों के लिए स्थायी आय उत्पन्न करना होना चाहिए। इससे गरीबी कम होगी और हमारे अन्नदाता की समृद्धि बढ़ेगी।

14 फसलों की एमएसपी खरीद

हरियाणा के माननीय राज्यपाल, श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि कृषि में हरियाणा का योगदान ऐसा है कि एमएसपी के तहत 14 फसलें खरीदी जा रही हैं, जो देश में सबसे ज़्यादा है। हरियाणा में धान, दूध और अब गेहूं का भी रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। केंद्र और राज्य सरकारों की पहल से तिलहन के उत्पादन में मदद मिली है और राज्य में पराली जलाने में भी कमी आई है। दत्तात्रेय ने कहा कि मुझे खुशी है कि सीआईआई ने स्थिरता, कृषि और खाद्य सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने वाला यह बहुत आवश्यक मंच बनाया है जो डिजिटल परिवर्तन के माध्यम से कृषि क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर ले जाने में मदद करेगा। पंजाब के माननीय राज्यपाल श्री बनवारीलाल पुरोहित ने कहा कि पंजाब भी प्रमुख कृषि-केंद्रित राज्यों में से एक है और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में एक बड़ा योगदानकर्ता है। पंजाब के किसानों के प्रयासों ने राष्ट्रीय विकास और खाद्य सुरक्षा और हमारे पंजाब की भलाई में योगदान दिया है।

पराली खरीदने के लिए समिति का गठन

सीआईआई एग्रोटेक इंडिया 2022 के दूसरे दिन हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने हरियाणा पवेलियन का दौरा कर जानकारी ली और किसानों के लिए लगाए गए स्टालों में किसान उत्पादक समूहों से विस्तार से बातचीत की। इस मौके पर किसान उत्पाद समूहों के 13 कंपनियों के साथ 17 समझौता ज्ञापन भी हुए। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा, कृषि विभाग के महानिदेशक हरदीप सिंह एवं बागवानी विभाग के महानिदेशक डा. अर्जुन सिंह सैनी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

किसानों के लिए एक्सीलेंट सेंटर

कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य में एक हजार किसानों ने झींगा मछली उत्पादन का व्यवसाय अपनाया है जो 2,500 करोड़ रुपए का मछली का उत्पादन खारे पानी से कर रहे है। मछली उत्पादन के लिए महिलाओं को 60 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। इसके अलावा बागवानी और सब्जी उत्पादन भी किसानों को आत्मनिर्भरता की ओर लेकर जाएगा।

> हरियाणा स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के चेयरमैन नायन पाल रावत ने कहा कि किसानों को डिजिटल तकनीक और यहां तक कि कृषि के क्षेत्र में ले जाने के लिए इतनी बड़ी प्रदर्शनी लगाई जा रही है। यह सराहनीय बात है कि कृषि के डिजिटलीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है। प्रदर्शनी में इस तरह की उन्नत प्रौद्योगिकी और मशीनों को देखना एक अद्भुत अनुभव रहा है।

स्टॉल में योजनाओं की जानकारी

एग्रोटेक में हरियाणा पवेलियन में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा कृषि मशीनीकरण, फसल विविधिकरण, हर खेत-स्वस्थ खेत, पराली प्रबंधन, मेरी फसल-मेरा ब्यौरा आदि योजनाओं की जानकारी देते बोर्ड लगाए गए। जल प्रबंधन की जानकारी भी दी जा रही थी। हरियाणा डेयरी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन फेडरेशन लिमिटेड की ओर से वीटा के घी, रसगुल्ला, बिस्कुल व अन्य उपत्पाद प्रदर्शित किए गए। हरियाणा बीज विकास निगम के अधिकारियों से किसान गेहूं व सरसों के बीज की जानकारी ले रहे थे। हरियाणा शुगर फेड की स्टॉल से किसान गन्ने की नवीनतम किस्म का ज्ञान हासिल कर रहे थे। मत्स्य पालन विभाग ने झींगा मछली की किस्में प्रदर्शित की और अधिकारीगण हरियाणा मत्स्य पालकों को दी जा रही सहूलियतों की जानकारी दे रहे थे।

एफपीओ से किसानों को मुनाफ़ा

मोरनी से आए किसान उत्पादक संगठन के प्रगतिशील किसान टिक्का सिंह ने आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां, हल्दी व मशरूम की किस्में प्रदर्शित की। उन्होंने कहा कि राज्य में किसानों को बढ़ावा देने के लिए सरकार बेहतरीन कार्य कर रही है और मेले के माध्यम से भी हमें नए ग्राहक व कंपनियां मिलती थी। सिरसा के

नवीनतम जानकारी हासिल

कैथल से एग्रोटेक देखने आए ईश्वर सिंह व संजय का कहना है कि यह मेला अधिक ज्ञानवर्धक होता है और इसके माध्यम से किसानों को नवीनतम जानकारी हासिल होती है। कलायत से आए रामकुमार, जसवंत व महेंद्र सिंह ने बताया कि मेले का उन्हें बेसब्री से इंतजार होता है और यहां का ज्ञान वह अपने खेती में करते हैं। इससे किसानों को बहुत फ़ायदा होता है। उनका कहना है कि हरियाणा सरकार किसानों के हित में अनेक योजनाएं चला रही है जिससे किसानों को लाभ मिल रहा है।

सर्कुलर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए पुराने वाहनों को रि-साइकिल किया जा रहा है। इसके लिए भारत सरकार के सहयोग से नूंह में एक प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई है।

आयुष योग सहायकों को दो घंटे सुबह व दो घंटे सायंकाल का समय योगशालाओं और अन्य समय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, वेलनैस सेंटर, डिस्पेंसरी इत्यादि में कार्य के लिए निर्धारित किया गया है।

हरियाणा को मिला सर्वश्रेष्ठ राज्य कृषि व्यवसाय पुरस्कार

भारतीय कृषि को उत्पादन केंद्रित से बाज़ार संचालित व्यवस्था में बदलने की यात्रा में हरियाणा ने मार्गदर्शक की भूमिका निभाई है। हरियाणा सरकार द्वारा कृषि और बागवानी के क्षेत्र में सुधार के मद्देनजर सिंचाई के लिए पानी का उचित उपयोग, कम पानी की खपत वाली फसलों का विविधिकरण और किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करने सहित अनेक कदम उठाए गए हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में पिछले आठ वर्षों से कृषि, बागवानी क्रांति से नील क्रांति की ओर अग्रसर हरियाणा अब एग्रो बिजनेस में भी आगे बढ़ रहा है। भारतीय कृषि एवं खाद्य परिषद द्वारा नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एग्रीबिजनेस अवार्ड-2022 समारोह में कृषि क्षेत्र में नीतियों, कार्यक्रमों, उत्पादन, इनपुट, प्रौद्योगिकियों, विपणन, मूल्यवर्धन, बुनियादी ढांचे और निर्यात के क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदानकर्ताओं को प्रस्तुत करने के लिए 'बेस्ट स्टेट' (श्रेष्ठ राज्य) की श्रेणी में पुरस्कृत किया गया। यह अवार्ड नई दिल्ली में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने प्राप्त किया।

इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने कहा कि उन्हें खुशी है

कि आज हरियाणा ने एक बार फिर कृषि क्षेत्र में अपना लोहा मनवाया है और इसलिए आज यहां हरियाणा को 'बेहतर राज्य' के रूप में पुरस्कृत किया गया है। दलाल ने कहा कि हरियाणा, जो राष्ट्रीय खाद्यान्न पूल में सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्यों में से एक है, ने बागवानी और कृषि-व्यवसाय को बढ़ावा देने की दिशा में विविधिकरण के लिए कई नीतिगत पहलें की हैं। हरियाणा ने लगभग 400 बागवानी फसल समूहों की मैपिंग की है और 700 किसान उत्पादक संगठनों का गठन किया है।

एकीकृत पैक हाउस स्थापित

क्लस्टरों में बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज को मज़बूत करने के लिए, हरियाणा राज्य ने एक महत्वाकांक्षी योजना - ''फसल क्लस्टर विकास कार्यक्रम (सीसीडीपी)'' शुरू की है, जिसमें एफपीओ के माध्यम से एकीकृत पैक हाउस स्थापित करने के लिए 510.35 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। अब तक 30 एकीकृत पैक हाउस स्थापित किए जा चुके हैं और 35 का कार्य प्रगति पर है। चालू वित्त वर्ष के अंत तक ऐसे कुल 100 एकीकृ त पैक हाउस स्थापित करने का लक्ष्य है।

एफपीओ का गठन

किसानों और कृषि उत्पादों के लिए अंतिम मूल्य श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए, कुल 37 कृषि क्षेत्र की कंपनियों ने कृषि-व्यवसाय गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बाय बैक तंत्र के साथ एफपीओ उत्पादों के व्यापार और विपणन के लिए 34 एफपीओ के साथ 54 समझौता ज्ञापन निष्पादित किए हैं।

11 उत्कृष्टता केंद्र स्थापित

हरियाणा ''भावंतर भरपाई योजना (बीबीवाई)'' के माध्यम से मूल्य संरक्षण में अग्रणी रहा है और बागवानी फसलों के लिए 24 करोड़ (पिछले तीन वर्षों में) और बाजरा भावांतर भापाई योजना के तहत लगभग 750 करोड़ रुपए के साथ प्रोत्साहित किया गया। वर्ष 2021-22 में 437 करोड़ रुपए से 2.41 लाख किसानों को कवर किया गया जबकि साल 2022-23 में लगभग 310 करोड़ रुपए से लगभग 2.25 लाख किसानों को कवर किया गया।

हरियाणा सबसे आगे

केंद्रीय पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य राज्य मंत्री संजीव बालयान ने हरियाणा प्रदेश की प्रशंसा करते हुए कहा कि हरियाणा कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि मत्स्य व पशुपालन के क्षेत्र के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में ओर अधिक ग्रोथ को बढ़ाना होगा। बालयान ने कहा कि कृषि और बिजनेस को जोड़ने की आवश्यकता है इसके जुड़ने से देश का किसान ओर अधिक समृद्ध होगा और देश का युवा भी इससे जुड़ेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार के साथ-साथ वैज्ञानिकों, बुद्धिजीवियों और शोधकर्ताओं को मिलकर आगे आकर काम करना होगा।

हरियाणा की नीतियां भारतवर्ष में सर्वश्रेष्ठ

दलाल ने कहा कि हरियाणा का किसान खाद्यान्न, फल, सब्जिया और फूल तैयार करके देश की इकोनॉमी को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में हरियाणा की नीतियां देश में सर्वश्रेष्ठ है। हमारे पास सबसे ज्यादा अच्छी मंडियां, सबसे ज्यादा किसान की फसल को एमएसपी पर खरीदते हैं। बागवानी के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं, इजराइल के सहयोग से एक्सीलेंट सेंटर है प्रदेश के किसानों को सब्सिडी पर पौध उपलब्ध कराई जाती है।

वन क्षेत्र से बाहर वृक्ष बढ़ाने का लक्ष्य

वन आवरण बढ़ाने के लिए राज्य सरकार और यूएसएआईडी ने शुरू की नई पहल

हरियाणा देश का छोटा-सा प्रदेश है और यहां केवल 3.5 प्रतिशत वन क्षेत्र है। अगर वन क्षेत्र से बाहर वृक्षों की बात की जाए तो वह भी केवल 3.2 प्रतिशत ही है। कुल मिलाकर लगभग 6.7 प्रतिशत वन क्षेत्र माना जा सकता है। इसी कड़ी में हरियाणा में वन आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार के वन विभाग और अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) ने नई पहल शुरू करते हुए हरियाणा में 'वन क्षेत्र से बाहर वृक्ष' (टीओएफआई) कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। योजना के तहत वन्य क्षेत्रों के बाहर वृक्ष लगाने पर विशेष फोकस रहेगा। इस कार्यक्रम के तहत प्रदेश में 20 प्रतिशत क्षेत्र को वृक्ष लगाकर वनों के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके माध्यम से किसानों, कंपनियों और अन्य निजी संस्थानों को साथ लाकर राज्य में पारंपरिक वन क्षेत्रों के बाहरी क्षेत्र में वन आवरण का तेज़ी से विस्तार किया जाएगा।

> पौधारोपण के साथ-साथ वृक्षों की सुरक्षा की ओर ज़्यादा ध्यान देने की ज़रूरत है। पेड़-पौधों के संरक्षण को लेकर शिक्षण संस्थाओं में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। ताकि बच्चों के माध्यम से इस कार्यक्रम को तेजी से सफल बनाया जा सके। इसके साथ ही इस कार्य को लेकर सभी को जागरूक होना होगा। जिस प्रकार से अपने परिवार और बच्चों की चिंता की जाती है। वैसे ही हम सभी को मिलकर वृक्षों की चिंता करनी होगी। तभी जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को खत्म किया जा सकेगा। प्रदेश सरकार ने भारत में वन क्षेत्र के बाहर वृक्ष कार्यक्रम के तहत लगभग 28 लाख हैक्टेयर में पेड़ों को विकसित करने का बड़ा लक्ष्य रखा है। हरियाणा से ही इस कार्यक्रम की शुरूआत हो रही है।
>
> **-मनोहर लाल, मुख्यमंत्री, हरियाणा**

यह नया कार्यक्रम कार्बन पृथक्करण को बढ़ाने के साथ-साथ कृषि जलवायु को भी मज़बूत करेगा और यह वैश्विक जलवायु परिवर्तन अनुकूलन लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी सहायक होगा।

किसानों की आय बढ़ाना

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस कार्यक्रम के लॉन्च की घोषणा करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार अधिसूचित वन क्षेत्रों के बाहरी क्षेत्र में एग्रो फोरेस्ट्री और वृक्षारोपण पर विशेष जोर दे रही है। वन और वृक्ष आच्छादित क्षेत्र का केवल 6.80 प्रतिशत होने के साथ ही हरियाणा ने देश के खाद्य एवं लकड़ी की ज़रूरतों को पूरा करने में सहयोग करने की अपनी क्षमता का विश्व स्तर पर प्रदर्शन किया है कि कैसे वन की कमी वाला राज्य भी वुड-सरप्लस राज्य हो सकता है। उन्होंने कहा कि हम हरियाणा में किसानों की आय बढ़ाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। टीओएफआई कार्यक्रम वन क्षेत्रों के बाहरी क्षेत्र में एग्रो फोरेस्ट्री और वृक्षारोपण अभियान को आगे बढ़ाएगा तथा राज्य में ग्रीन कवर को बढ़ावा देने के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद करेगा। यह कार्बन न्यूट्रल इकोनॉमी की दिशा में भारत के रोडमैप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जलवायु पहल जैसे पंचामृत एवं मिशन लाइफ के संबंध में भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने में भी वाहक बनेगा।

> टीओएफआई कार्यक्रम से क्षेत्रों के बाहरी क्षेत्रों में पेड़ लगाने, विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में पौधारोपण को जोड़ने से हरियाणा को वन एवं ग्रीन कवर के तहत 20 प्रतिशत क्षेत्र के अपने लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। यह कार्यक्रम पर्यावरण को मज़बूत करने, टीओएफ आधारित उद्यमों का समर्थन करने और वन क्षेत्रों के बाहरी क्षेत्रों में वृक्ष आच्छादित क्षेत्र के विस्तार के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने में योगदान देगा।
>
> **-कंवर पाल, वन एवं पर्यटन मंत्री, हरियाणा**

28 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में वन आवरण का विस्तार

टीओएफआई कार्यक्रम पारंपरिक वन क्षेत्रों के अलावा 28 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में वन आवरण का तेज़ी से विस्तार करेगा, जो भारत में 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से बड़ा क्षेत्र बनता है। यह कार्य में 2030 तक 2.5 से 3 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर अतिरिक्त 'कार्बन सिंक' बनाने के भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित लक्ष्य में योगदान देगा। यह नया कार्यक्रम जलवायु संकट से निपटने के लिए अमेरिका-भारत की स्थायी साझेदारी पर आधारित है।

-संवाद ब्यूरो

कुरुक्षेत्र में 19 से 6 दिसंबर तक अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2022 का आयोजन होगा। इसमें विशेषज्ञों के माध्यम से युवा पीढ़ी को पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेश दिया जाएगा।

आजादी के अमृत महोत्सव के कार्यक्रमों की श्रृंखला में श्री कपालमोचन मेला परिसर बिलासपुर यमुनानगर में स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा से जुड़ी बड़ी घटना पर 'दास्तान-ए-रोहनात' नाटक का जीवंत मंचन किया गया।

पराली खरीद के लिए बनेगी कमेटी

फसल अवशेष प्रबंधन में हरियाणा का सराहनीय कार्य

पराली जलाने से वायु प्रदूषण होने के साथ-साथ स्वास्थ्य में बहुत दुष्प्रभाव पड़ता है। इसके धुएं से दिन-प्रतिदिन दुर्घटनाएं भी बढ़ती है। इस समस्या से निजात पाने के लिए हरियाणा सरकार बेहतर पराली प्रबंधन और सुरक्षित पर्यावरण को लेकर बेहतर ढंग से कार्य कर रही है। यही कारण है कि हरियाणा में दूसरे राज्यों के मुकाबले पराली जलाने की घटनाएं कम हो रही है। राज्य सरकार पराली के समुचित प्रबंधन के लिए पराली को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर भी खरीदने की योजना बना रही है। इसके लिए कृषि महानिदेशक, निदेशक, टेस्टिंग संस्थान हिसार, महानिदेशक, हरेडा, डीन इंजीनियरिंग कालेज व संयुक्त निदेशक को शामिल कर कमेटी का गठन किया गया है।

राज्य में पराली प्रबंधन के कारण किसानों को पराली बेचने के लिए दूसरे राज्यों से संपर्क नहीं करना पड़ता। इसके लिए किसानों को 80 हजार सुपर सीडर जैसे कृषि उपकरण उपलब्ध करवाए गए हैं। सुपर सीडर कृषि उपकरणों को बढ़ावा देने के अलावा पराली का उद्योगों में उपयोग करने पर भी बल दिया जा रहा है। किसान खेतों में पराली को न जलाएं इसके लिए उन्हें एक हजार रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है।

पराली प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन राशि

राज्य में पराली जलाने की घटनाएं शून्य हों और एनसीआर में प्रदूषण भी कम हो और किसान भी समृद्ध एवं खुशहाल बनें। इसके लिए फार्म मैकेनिजम के लिए उपलब्ध धनराशि को किसान हित में ही प्रयोग किया जा रहा है। हरियाणा सरकार ने पराली प्रबंधन के मामले में ठोस कदम उठाए हैं, जिसके परिणाम स्वरुप पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 31 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2016 में हरियाणा में पराली जलाने की 15,686 घटनाएं, 2017 में 13,085, 2018 में 9225, 2019 में 6,364, वर्ष 2020 में 4,202 घटनाएं हुई थी। लेकिन सरकार के अथक प्रयासों के फलस्वरूप 2022 में केवल 2,377 घटनाएं दर्ज़ की गई हैं। जबकि इस बार पंजाब में 24,146 घटनाएं हुई हैं।

पराली जलाने पर सख़्ती

प्रदेश सरकार ने किसानों को पराली न जलाने के लिए निरंतर ज़ागरूक किया है। हालांकि, जहां किसानों ने पराली जलाई, उन पर सख़्ती भी की गई। 1,601 चालान करते हुए 37.85 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। प्रदेश सरकार फसल अवशेष प्रबंधन के लिए उपयोग होने वाली मशीनरी पर किसानों को अनुदान दे रही है। वर्ष 2018 से 2021 तक 72,777 मशीन 584 करोड़ रुपए के अनुदान पर दी गई, जिसमें 1261 बेलर शामिल हैं। इसी प्रकार, वर्ष 2022 में 7,146 मशीनों पर 100 करोड़ रुपए का अनुदान दिया, जिसमें 600 बेलर शामिल हैं।

25 लाख एकड़ भूमि के प्रबंधन हेतू किसानों को निःशुल्क डी कम्पोजर किट उपलब्ध करवाई गई हैं। किसान पराली न जलाएं, इसके लिए इन सीटू व एक्स सीटू प्रबंधन के लिए राज्य की योजना के तहत किसानों को 1,000 रुपए प्रति एकड़ की दर से प्रोत्साहन राशि दी गई है।

फसल अवशेषों का उद्योगों में प्रयोग

पानीपत में इंडियन ऑयल के 2जी इथोनॉल प्लांट में पराली की पहुंच सुनिश्चित करने हेतू किसानों को 2,000 रुपए प्रति एकड़ की दर से प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। इस प्लांट में वार्षिक 2 लाख टन पराली की खपत होगी। धान की पराली की खपत करने पर गोशालाओं को अधिकतम 15,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। इतना ही नहीं, वर्ष 2021 में 4 लाख टन फसल अवशेषों का उद्योगों में प्रयोग सुनिश्चित किया गया। इस वर्ष में 13 लाख टन फसल अवशेषों की इथेनॉल, सीबीजी, कार्ड बोर्ड एवं बायोमास प्लांटों द्वारा खपत का अनुमान है।

पराली प्रबंधन-सुरक्षित पर्यावरण दुष्प्रभाव

- पराली जलाने से वायु प्रदूषण होता है।
- मिट्टी की जैविक गुणवत्ता प्रभावित होती है।
- मिट्टी में मौजूद उपयोगी बैक्टीरिया व मित्र कीट नष्ट हो जाते हैं।
- पर्यावरण प्रदूषित होता हैं तथा वायु में विषैली गैसें फैल जाती है।
- पराली जलाने से पैदा हुए धुएं से राजमार्गों पर दुर्घटना होने का डर रहता है।

उपाय

- धान के फसल अवशेषों के सुपर सीडर, हैपी सीडर व जीरो टिल्ज मशीन द्वारा सीधी बिजाई की जा सकती है।
- कृषि यंत्रों द्वारा फसल अवशेषों को खेत में ही मिलाकर भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं।
- इन सीटू-भूमि में मिलाकर/एक्स सीटू-बेल बजाकर 1,000 रुपए प्रति एकड़ की सहायता राशि पाएं।
- फसल अवशेषों की बेलर मशीन द्वारा गांठे बनाकर इथेनॉल/बायोमास/कोम्पेसड बायोगैस प्लांट/पेपर फैक्टरी को बेचकर अतिरिक्त पैसा कमाएं।
- अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर-1800-180-2117 से संपर्क कर सकते हैं।

प्रदूषण कम हो, किसान खुशहाल बनें

राज्य सरकार पराली के समुचित प्रबंधन के लिए पराली को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की योजना बना रही है। इसके लिए अधिकारियों की समिति का गठन किया गया है। प्रदेश के किसानों तक नवीनतम तकनीक, नवाचार रिसर्च, फार्म मशनीनरी, फर्टिलाईजर पहुंचाना सरकार का मुख्य ध्येय है। इसे साकार करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है।

-जय प्रकाश दलाल

कुरुक्षेत्र के प्रगतिशील किसान कुलबीर का कहना है कि हरियाणा सरकार बेहतर पराली प्रबंधन और सुरक्षित पर्यावरण को लेकर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि पहले वह दूसरे राज्यों में पराली को बेचते व पराली का खेतों में उपयोग करते थे, लेकिन दो-तीन साल से हरियाणा सरकार की योजना का फ़ायदा उठा रहे हैं, खेतों से ही पराली ले जाते हैं और उन्हें एक हजार रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है। इसका लाभ अनेक किसान उठा रहे हैं, जिसके कारण पराली जलाने की घटनाएं कम हुई है।

-संगीता शर्मा

ड्रोन से भूमि के नीचे 15 मीटर तक होगी मैपिंग

सूचना प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक उपयोग करने की दिशा में एक ओर पहल करते हुए ड्रोन इमेजिंग एंड इंफॉर्मेशन सर्विस ऑफ हरियाणा लिमिटेड (दृश्या) के अधिकारियों को एंटी ड्रोन टेक्नोलॉजी विकसित करने की दिशा में कार्य करने के निर्देश हुए हैं। इसके अलावा, ड्रोन से भूमि के नीचे 15 मीटर तक मैपिंग करने के सेंसर की भी खरीद की जाएगी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल जो ड्रोन इमेजिंग एंड इंफॉर्मेशन सर्विस ऑफ हरियाणा लिमिटेड (दृश्या) के चेयरमैन भी हैं, ने बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की तीसरी बैठक अधिकारियों को निर्देश दिए कि ड्रोन फ्लाइंग के लिए जल्द से जल्द नागर विमानन महानिदेशालय, भारत सरकार से अनुमति की प्रक्रिया पूर्ण की जाए।

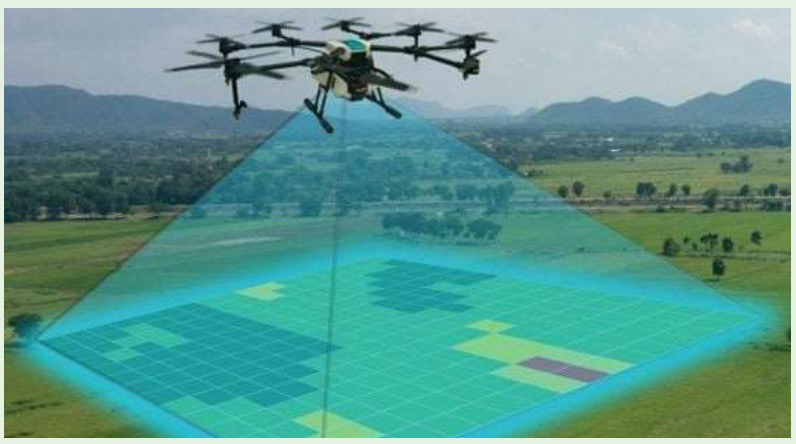

उन्होंने कहा कि विमानन से जुड़े अनुभवी लोगों की सेवाएं दृश्या को लेनी चाहिएं।

दृश्य द्वारा भिवानी जिले के खनन क्षेत्रों डाडम व खानक में वॉल्यूमेट्रिक विश्लेषण के लिए सर्वे का कार्य करने के लिए फिक्सिंग विंग ड्रोन (एफ-90) का उपयोग कर सफलतापूर्वक कार्य किया गया है। इसके अलावा, बहादुरगढ़ - दौलताबाद हाईटेंशन बिजली लाइन के निरीक्षण का कार्य, करनाल जिले में यमुना नदी के साथ लगते 10 गांवों के 11.55 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में जलभराव क्षेत्र के सर्वे का कार्य भी किया गया है। इतनी ही नहीं, दृश्या द्वारा फरीदाबाद के सेक्टर 15-ए व सेक्टर 75 में तथा हिसार जिले के राखीगढ़ी हेरिटेज क्षेत्र में भी लार्ज स्केल मैपिंग का कार्य किया गया है।

राजस्व विभाग के अलावा शहरी स्थानीय निकाय, बिजली, आपदा प्रबंधन, खनन, वन, यातायात, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, कृषि जैसे अन्य विभागों में भी सर्वे के लिए ड्रोन का उपयोग सुनिश्चित किया जाए। इससे शहरी क्षेत्रों में मानचित्रण, भूमि रिकॉर्ड, आपदा प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं, विकास की योजनाओं में मदद मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की पहल से हरियाणा यूएवी संचालित गवर्नेंस एप्लिकेशन को तीव्र गति प्रदान करने के लिए एक अलग निगम बनाने वाला पहला राज्य है। दृश्या की स्थापना से राज्य में एक अनूठी शुरुआत हुई है, क्योंकि अब ड्रोन की मदद से क्षेत्र के विस्तार का पता लगाने के साथ-साथ अवैध अति मणों को भी नियंत्रित किया जा सकता है। पहले समय समय पर मैन्युअल सर्वेक्षण किए जाते थे, जिनमें बहुत समय लगता था और अधिक मैनपॉवर की आवश्यकता के साथ साथ खर्चीले भी होते थे।

-संवाद ब्यूरो

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि करनाल शुगर मिल की आय बढ़ाने पर फ़ोकस हो। मिल में जल्द से जल्द गुड़ और शक्कर बनाने के प्रोजेक्ट को भी शुरू किया जाएगा।

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए गठित सचिवों के अधिकार-प्राप्त समूह की दूसरी बैठक में लगभग 97 करोड़ रुपए के पांच प्रोजेक्ट को मंजूरी प्रदान की गई।

साहित्य अकादमी के सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा हिन्दी व हरियाणवी भाषा के अन्तर्गत वर्ष 2021 के श्रेष्ठ कृति पुरस्कारों, हिन्दी कहानी पुरस्कारों एवं पाण्डुलिपि अनुदानों की घोषणा की गई है।

अकादमी अध्यक्ष डॉ. अमित अग्रवाल ने बताया कि हिंदी भाषा के कविता वर्ग में अंजलि सिफर, अम्बाला की कृति क़ाग़ज से गुफ्तगू तथा विकास यशकीर्ति, भिवानी की काव्यकृति जिन्दगी-एक तंग काफिया; कहानी वर्ग में ब्रह्मदत्त शर्मा, यमुनानगर की कृति पीठासीन अधिकारी तथा रोहतक के बी.आर.अरोड़ा के कहानी संग्रह छब्बीस छक्के; उपन्यास वर्ग में रोहतक से अर्चना कोचर के उपन्यास किन्नर कथा» एक अंतहीन सफर; निबंध वर्ग में श्री निवास वत्स, दिल्ली की कृति मेरी 121 हास्य व्यंग्य रचनाएं; आत्मकथा वर्ग में डॉ. हेमलता शर्मा, सिरसा की कृति मेरी जीवन धारा» एक आत्मकथ्य; डायरी वर्ग में हिसार से प्रदीप सिंह की कृति बुहारे हुए पल; बाल साहित्य वर्ग में राधेश्याम भारतीय, करनाल की कृति समरीन का स्कूल तथा अनुवाद वर्ग में अम्बाला के पुष्पराज चसवाल की कृति महात्मा, मार्टिन और मंडेला का अपने-अपने वर्ग में श्रेष्ठ कृति पुरस्कार के लिए चयन किया गया है।

हरियाणवी भाषा में रागनी वर्ग में जयभारद्वाज, करनाल की कृति सुबक रह्या क्यूं आज समंदर; कथा साहित्य वर्ग में विजेन्द्र सिंह, भिवानी की कृति बेटी बचाऊंगी, बेटी पढ़ाऊंगी तथा लोक साहित्य वर्ग में सोनीपत से डॉ. रेणु शर्मा की कृति लोककवि पं. नन्दलाल का अपने-अपने वर्ग में श्रेष्ठ कृति पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। प्रत्येक पुरस्कार के लिए 31,000/- रुपए की पुरस्कार राशि एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाते हैं। वर्ष 2021 की युवा हिंदी कहानी प्रतियोगिता में अमीश कुमार, महेन्द्रगढ़ की कहानी माँ और मौसी को प्रथम पुरस्कार (राशि 5000/- रुपये) प्रदान किया जाएगा।

वर्ष 2021 के अन्तर्गत प्रकाशन अनुदान के लिए प्राप्त पाण्डुलिपियों में से हिन्दी व हरियाणवी की कुल 50 पाण्डुलिपियों का अनुदान के लिए चयन किया गया है। इस योजना में पुस्तक के प्रकाशन उपरान्त लेखक को अधिकतम 25,000/- रुपये तक की अनुदान राशि प्रदान की जाती है। जिन लेखकों की पाण्डुलिपियों का चयन किया है उनमें सूरज पाल सिंह कुरुक्षेत्र, आशीष कपूर, यमुनानगर, डॉ. सुदामा प्रसाद आर्य, फतेहाबाद, आनन्द प्रकाश 'आर्टिस्ट, भिवानी, चरणजीत चंदवाल, यमुनानगर, जयभगवान यादव, हिसार, डॉ. राजकुमार, रोहतक, गौतम इलाहाबादी, रेवाड़ी, श्रीमती कुसुम यादव, गुरुग्राम, पूनम सैनी, हिसार, सुनीता, भिवानी, नीलम त्रिखा, पंचकूला, सतपाल स्नेही, बहादुरगढ़, रविकांत डांगी, रोहतक, दिलबाग अकेला, कैथल, सुरेन्द्र पाल, चण्डीगढ़, सुरेखा यादव, पंचकूला, अंजलि राज, जीन्द, श्याम सुन्दर शर्मा गौड़, कैथल, गरिमा नन्दवाल, करनाल, डॉ. सुन्दर सिंह शीलवंत 'शील भिवानी, प्रवीण पारीक 'अंशु', ऐलनाबाद, श्रीमती मधु गोयल, कैथल, कमला देवी, रेवाड़ी, अरविन्द भारद्वाज, रेवाड़ी, पवन गहलोत, रोहतक, डॉ. चन्द्रदत्त शर्मा, रोहतक, मनोज कौशिक, रेवाड़ी, अश्वनी, रोहतक, नफेसिंह योगी, महेन्द्रगढ़, पंकज शर्मा, अम्बाला शहर, अशोक अग्रवाल, जगाधरी, विजय कुमार 'निश्चल, गुरुग्राम, दलबीर सिंह, रेवाड़ी, मोनिका गुप्ता, सिरसा, बनीसिंह जांगड़ा, हिसार, दिनेश शर्मा, कैथल, डॉ. हेमलता शर्मा, चरखी दादरी, डॉ. अशोक कुमार, चरखीदादरी, मा. ज्ञानचंद, कैथल, हरीन्द्र यादव, गुरुग्राम, अशोक कुमार, हिसार, रामअवतार, रेवाड़ी, कर्म चन्द, कैथल, सूबे सिंह मौर्य, जीरकपुर, गीता, सोनीपत, महेश कौशिक, भिवानी, आशा यादव, महेन्द्रगढ़, राजेराम, भिवानी, डॉ. महेन्द्र सिंह शर्मा, चरखीदादरी हैं।

सर छोटूराम की विचारधारा अनुकरणीय: उपराष्ट्रपति धनखड़

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गत दिनों सांपला स्थित दीनबंधु सर छोटूराम के स्मारक स्थल पर आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने कहा कि यहां आकर उन्हें एक अनूठी ऊर्जा मिली है। वे यहां की धरती को नमन करते हैं। सच में हरियाणा की भूमि पावन भूमि है जहां महापुरुषों ने जन्म लिया।

वे बोले, 'चौधरी छोटूराम की रीति, नीति व विचार अनुकरणीय रहे हैं। मैं उनका अनुसरण अवश्य करूंगा। अपने जीवन में भारत के किसान की जितनी सेवा कर पाऊं, उतनी कम होगी।'

उन्होंने कहा कि सर चौ. छोटूराम जैसे महान लोगों ने इतिहास रचा। उन्होंने सन 1923 में भविष्य की जरूरतों के अनुरूप भाखड़ा बांध बनवाने के लिए गंभीर प्रयास किये।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री यशस्वी और ऊर्जावान हैं। 6 अगस्त को निर्वाचित होने के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने उन्हें हरियाणा की शुरुआत इस स्थान से करने को कहा था, जिसके लिए वे उनके आभारी हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश विकास की नई ऊंचाईयों को छू रहा है। हर क्षेत्र में हरियाणा दूसरे राज्यों के लिए नजीर की भूमिका निभा रहा है। हरियाणा सरकार की कई ऐसी योजनाएं है, जिनको दूसरे राज्यों ने भी अपनाया है। हरियाणा प्रदेश में भ्रष्टाचार को खत्म करने और सरकारी कार्यों में पारदर्शिता तथा मैरिट के आधार पर नौकरी देने के मामले में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए हैं।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन के बाद देशभर के किसान आशीर्वाद देने आए। उसी दौरान सांसद बृजेंद्र सिंह ने मुझे चौधरी छोटूराम की पांच पुस्तकें भेंट की, जो आज मेरे पुस्तकालय की सबसे अहम किताबें हैं। इन पुस्तकों से मुझे जीवन भर ऊर्जा और दिशा मिलती रहेगी।

कृषक प्रधान राज्य बनाने के प्रयास

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने उपराष्ट्रपति का हरियाणा में प्रथम आगमन पर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पहले हरियाणा को कृषि प्रधान प्रदेश कहा जाता था। सरकार कोशिश कर रही है कि अब हरियाणा को कृषक प्रधान बनाया जाए। किसानों की आय कैसे बढ़े, इसको लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हरियाणा हर क्षेत्र में आगे हैं। आबादी और क्षेत्र के हिसाब से हरियाणा देश का अग्रणी राज्य है। हम आईटी एक्सपोर्ट में पूरे देश में सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि देश की जीडीपी के हिसाब से भी हरियाणा काफी आगे है। हरियाणा के खिलाड़ी दुनिया में अपना नाम कमा रहे हैं और सेना में भी हमारे प्रदेश की भागीदारी 10 प्रतिशत से अधिक है।

-संवाद ब्यूरो

आज़ादी के संघर्ष में रहा था जन- जन का योगदान

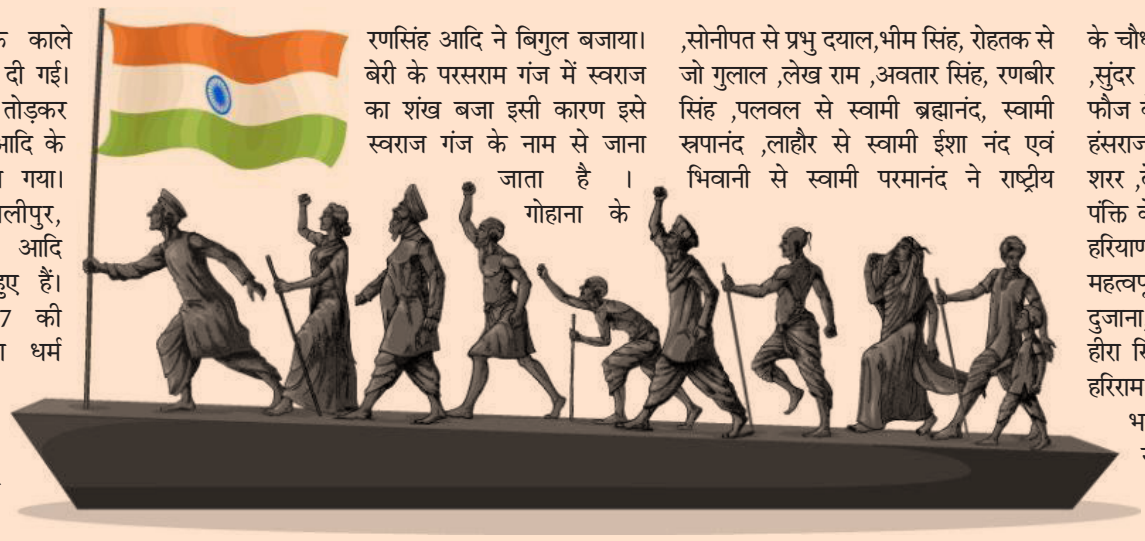

हरि की भूमि हरियाणा ने आदिकाल से ही पराई दासता को नहीं स्वीकारा। औरंगजेब जैसे मुगलों ने लाख कोशिश की परंतु हरि की धरती पर काबू नहीं पा सके। यही हाल ब्रिटिश सत्ता का रहा जब उनका वश नहीं चला तो इसे टुकड़ों में बांट दिया। ब्रिटिश काल के हरियाणा का भूभागीय क्षेत्र बहुत ही विस्तृत रहा था। दिल्ली के चारों ओर डेढ़- सौ डेढ़- सौ मील की दूरी के दायरे को हरियाणा प्रांत कहा जाता था। उस पूरे भूभाग में जाट, अहीर, गुर्जर, राजपूत आदि वीर जातियां निवास करती थीं। इसी प्रांत के मेरठ व अंबाला में अट्ठारह सौ सत्तावन की क्रांति की शुरुआत हुई थी। स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के कारण यहां के बहुत से गांवों को बेदखल तथा उजाड़ दिया गया था। आगरा, मेरठ तथा सहारनपुर आदि को उत्तर प्रदेश में मिला दिया गया। भरतपुर तथा अलवर का इलाक़ा राजस्थान में मिला दिया गया। कुछ भूभाग दिल्ली प्रांत का नाम देकर अलग कर दिया गया। नारनौल को पटियाला राज्य , दादरी को जींद की फुलकिया स्टेट में शामिल दिया गया ताकि ब्रिटिश सत्ता को इस वीर भूभाग से कोई चुनौती न मिल सके। शेष बचते गुरुग्राम, रोहतक ,करनाल तथा अंबाला आदि को पंजाब में मिला दिया गया। जीटी रोड के साथ लगते गांवों और सोनीपत जिले के बिलासपुर के उद्यमी राम की अगुवाई में अंग्रेज सत्ता को लोहे के चने चबवाऐ थे। सोनीपत जिले के कुण्डली गांव में ऊंट गाड़ी में बैठे अंग्रेज को बिटौड़े में गिरा कर करे फूंक दिया गया। इस सामूहिक कार्य में सुरता राम, जवाहरा , बाजा नंबरदार ,पृथ्वी राम ,मुखराम राधे तथा जयमल आदि को गिरफ्तार करके काले पानी की सजा दी गई। कुण्डली को तोड़कर ऋषि, प्रकाश आदि के नाम कर दिया गया। खामपुर, अलीपुर, हमीदपुर सराय आदि अनेक ग्राम हुए हैं। जिन्होंने 1857 की क्रांति में देश धर्म निभाया। हांसी के साथ लगता रोहनात गांव भी देश धर्म निभाने वाले गांव को अंग्रेजों ने बर्बाद कर दिया था । इस गांव में आजादी का जश्न भी पिछले साल मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में मनाया गया।

दक्षिणी हरियाणा के वीरों राव तुलाराम राम, गोपाल देव, समद खान आदि सेना नायकों ने अंग्रेज खलनायक जेरार्ड को कड़ी चुनौती दी थी। नसीबपुर युद्ध में तो कई क्रांतिकारी भारत मां की बलिवेदी पर स्वाह हो गए। इसी प्रकार नाहडके युद्ध में अंग्रेजो को चुनौती दी गई। बेरी निवासियों ने 1794 में जार्ज टाम्स के साथ युद्ध किया था। दोनों ओर से हताहतों की संख्या हज़ारों में पहुंच गई थी। इसके बाद ही उन्होंने जार्जगढ़ (जहाज गढ़) गाँव बसाया था। चौधरी चंद्रभान तहलान (लुहारहेड़ीं) हरी सिंह (खातीवास), प्रोफ़ेसर शेर सिंह,ब्रिगेडियर दिलसुख मान, राम सिंह जाखड़,महाशय राम प्रसाद आर्य, चौधरी जुगलाल कासनी,कर्नल रणसिंह आदि ने बिगुल बजाया। बेरी के परसराम गंज में स्वराज का शंख बजा इसी कारण इसे स्वराज गंज के नाम से जाना जाता है । गोहाना के चंदगीराम को साढ़े सात माह तक लाहौर जेल की हवा खानी पड़ी। शायद कम ही लोग जानते हैं कि 11 सितंबर 1920 को कोलकाता में कांग्रेस के लाला लाजपत राय की अध्यक्षता में हुए सम्मेलन में असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव पारित हुआ था इस आंदोलन में आर्य समाज के 61709 कार्यकर्ताओं ने सक्रियता से भाग लिया था हरियाणा में ऐसा असहयोग की बाढ़ सी आ गई थी। 20 अक्टूबर 1920 को भिवानी में अंबाला डिवीजन की राजनीति कॉन्फ्रेंस हुई जिसकी अध्यक्षता लाला मुरलीधर ने की महात्मा गांधी इसके मुख्य अतिथि थे। उसमें आर्य समाज नेता दुनी चंद व स्वामी सत्य देव , दादा पतराम भिवानी तक पैदल जत्था लेकर गए थे , जिस में बड़ी संख्या में छात्र कूद पड़े। यहां पर कई राष्ट्रीय स्कूलों की नींव रखी गई। डॉक्टर रामजीलाल हरदेव सहाय ,सोनीपत से प्रभु दयाल,भीम सिंह, रोहतक से जो गुलाल ,लेख राम ,अवतार सिंह, रणबीर सिंह ,पलवल से स्वामी ब्रह्मानंद, स्वामी स्त्रपानंद ,लाहौर से स्वामी ईशा नंद एवं भिवानी से स्वामी परमानंद ने राष्ट्रीय आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्नेहलता, लक्ष्मीबाई आर्या, सुभाषिनी तथा शन्नो देवी ने राष्ट्रीय आंदोलनों में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

सुनारिया गांव के वीर अमर सिंह ने रोहतक के तत्कालीन डीसी मोर को कसोले से काटकर अंग्रेज सत्ता को चुनौती दी थी। वही हांसी के हुकुमचंद को उनके घर के सामने ही फांसी पर लटका दिया था। राजा नाहर सिंह की कुर्बानी को बड़े गर्व से गाया जाता है। जिला कैथल के फतेहपुर गांव को अंग्रेजों को कोपभाजन इसलिए होना पड़ा कि ,1857 के संग्राम में श्री गिरिधर लाल की रहनुमाई में खुला विद्रोह हुआ, जिसमें गिरधरलाल को तोप से बांधकर उड़ा दिया गया । उसी गांव के स्वतंत्रता सेनानी तारा चंद्रगुप्त ने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया और जेल यातनाएं सही। यही के चौधरी धनसंग ,पंडित गोपाल ,मियां सिंह ,सुंदर सिंह और दीवान सिंह आजाद हिंद फौज के सेनानी रहे । दरियाव सिंह ,लाला हंसराज, देवी दयाल ,रघुवीर मुंशी ,राम सिंह शरर ,देवत राम, प्रभु राम, पन्नालाल अग्रिम पंक्ति के साथ मित्रता सेनानी थे उसी प्रकार हरियाणा के हर गांव में स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जींद, नारनौल, दुजाना, पटौदी तथा लोहारू आदी में चौधरी हीरा सिंह चिनारिया, हंसराज रहबर, पंडित हरिराम शर्मा, पंडित देवी दयाल शर्मा तथा भगत बूजाराम आदि ने स्वतंत्रता का संदेश जनता तक पहुंचाया।

पंडित श्रीराम शर्मा ने अनेक यातनाएं सहते हुए भी 1919 में राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय हिस्सा लिया। सन 1923 में रोहतक से हरियाणा तिलक पत्र के माध्यम से उन्होंने हरियाणा में स्वतंत्रता आंदोलन का माहौल तैयार किया। हरियाणा केसरी पंडित नेकी राम शर्मा जो बंगाली मराठी और गुजराती आदि भाषाओं के विद्वान थे ने भी 'अभयुदय ,और वैकटेश्वर समाचार का संपादन व संचालन किया। उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन के लिए चेतना फैलाई हिसार के हरदेव सहाय ने हिसार से 'देहात सुधार 'नाम का पत्र निकालना। जिसे ग्रामीण क्षेत्र से प्रकाशित होने वाला पहले पत्र का गौरव प्राप्त है। इस प्रकार हरियाणा के किसान, मजदूर, अध्यापक, व्यापारी, दुकानदारों ने संगठित होकर अंग्रेजों का विरोध किया। कवि ,भजनीक तथा सांगी और लोक गायकों ने भी आजादी के सुर में गायन किया हरियाणा का योगदान राष्ट्रीय आंदोलन में सर्वोपरि रहा है ।

-डॉ दयानंद कादयान

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि बायो-माइनिंग की दिशा में कार्य करते हुए दिसंबर 2023 तक लेगेसी वेस्ट का निवारण किया जाएगा। प्रदेश में 101 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे की प्रोसेसिंग की जानी है।

प्रदेश में सभी रेलवे फाटकों पर रेलवे ओवरब्रिज अथवा रेलवे अंडरब्रिज बनाए जा रहे हैं। पिछले 8 वर्षों में रेलवे मैपिंग करवाते हुए ऐसे स्थानों को चिह्नित किया है, जहां-जहां आरओबी या आरयूबी की ज़रूरत है।

लोक कला एवं संस्कृति की अनूठी झलक 'दादा लखमी'

हरियाणा के सूर्य कवि दादा लख्मीचंद के जीवन पर आधारित हरियाणवी फिल्म 'दादा लख्मी' रिलीज़ हो गई है। मशहूर अभिनेता यशपाल शर्मा द्वारा निर्देशत इस फिल्म को हरियाणा सरकार ने टैक्स फ्री किया है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने करनाल में 'दादा लख्मी' के प्रीमियर शो को देखा। इसके बाद उन्होंने फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि यह फिल्म हरियाणवी लोक कला व संस्कृति को अपने में समेटे हुए है। फिल्म के निर्माता और निर्देशक ने इतने चैलेंजिंग विषय पर फिल्म बनाई, यह अपने आप में बेहद सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि फिल्म के लिए हरियाणा सरकार हर संभव मदद करेगी। इसके साथ-साथ स्टेट जीएसटी मुफ्त करवाने के लिए भी प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हमें दादा लख्मी के विचारों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। इस फिल्म के कलाकारों ने दादा लख्मी के विचारों को ऐतिहासिक तथ्यों

के साथ प्रस्तुत किया है। यह फिल्म युवा पीढ़ी को संदेश देगी। फिल्म के सभी कलाकारों ने अच्छी मेहनत की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की हरियाणवी फिल्मों को प्रमोट करने के लिए हरियाणा सरकार ने फिल्म पॉलिसी बनाई है। जिसके अंतर्गत आर्थिक सहायता व अन्य मदद दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पंचकूला में फिल्म सिटी बनाई जा रही है, जो फिल्म बनाने वालों के लिए मददगार साबित होगी। इतना ही नहीं राज्य सरकार ने हरियाणवी कलाकारों व फिल्मों को आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश में अनुकूल माहौल बनाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इस तरह की फिल्मों पर निरंतर काम होना चाहिए, हालांकि बॉलीवुड में भी हरियाणवी बोली में फिल्में बन रही हैं लेकिन जब फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हरियाणा के लोग इस तरह के विषयों पर फिल्म बनाते हैं तो ज्यादा उत्साहवर्धन होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के बहुत से कलाकार बॉलीवुड में काम कर रहे हैं, उन्हें भी हरियाणवी संस्कृति व लोक कला को आगे बढ़ाने के लिए फिल्मों पर काम करना चाहिए।

- संवाद ब्यूरो

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी है फिल्मः यशपाल शर्मा

हरियाणा व पूरे प्रदेशवासियो के लिए हर्ष व गर्व का विषय है कि दादा लखमी फिल्म को माननीय राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सर्वोत्तम हरियाणवी फिल्म के रूप में पुरस्कृत किया गया है। इसके अतिरिक्त 63 से ज्यादा अंतराष्ट्रीय भी पुरस्कार मिल चुके हैं। ये हरियाणा की एक मात्र फिल्म है जो आज तक के इतिहास में 'कांस फेस्टिवल' में 2021 में ऑनलाइन प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फिल्म लगभग 300 लोगों की 6 साल की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

पंडित लखमी चंद हरियाणा और हरियाणवी की शान थे। सोनीपत जिले के गांव जाटी में उनका जन्म हुआ। छोटी उम्र में ही वह इतने प्रसिद्ध हो गए थे कि लोग 50-50 मील से बैलगाड़ी पर उनकी रागिनी सुनने और सांग देखने के लिए आया करते थे। उन्हें हरियाणा का शेक्सपियर कहा जा सकता है। उनके द्वारा रचित रचनाओं को आज भी नए दौर के गायक नए-नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। हरियाणा और हरियाणवी बोली के लिए दादा लाखमी का योगदान अतुल्य है।

संस्कृत अकादमी के सम्मान

हरियाणा संस्कृत अकादमी ने वर्ष 2021 के लिए साहित्यकार सम्मानों की घोषणा कर दी है। अकादमी के निदेशक डॉ. दिनेश शास्त्री ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि संस्कृत साहित्यालंकार सम्मान के लिए डॉ. देवी सहाय पांडेय (अयोध्या) को चुना गया है। हरियाणा संस्कृत गौरव सम्मान के लिए प्रो.कमला भारद्वाज को चयनित किया गया है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 के लिए महर्षि वाल्मीकि सम्मान पुरस्कार के लिए करनाल के डॉ.सत्यपाल शर्मा, आचार्य स्थाणुदत्त सम्मान पुरस्कार के लिए पंचकूला के सर्वेश्वर प्रसाद सेमवाल को, महर्षि वेदव्यास सम्मान पुरस्कार के लिए कुरुक्षेत्र के प्रो.अरुणा शर्मा को तथा महर्षि विश्वामित्र सम्मान पुरस्कार के लिए अंबाला के डॉ. चंद्र कुमार झा को चुना गया है।

डॉ. दिनेश शास्त्री ने बताया कि महाकवि बाणभट्ट सम्मान के लिए फरीदाबाद के डॉ.गीता आर्या को, गुरु विरजानंद आचार्य सम्मान के लिए पंचकूला के आचार्य स्वामी प्रसाद मिश्र को चुना गया है। इसी प्रकार, विद्या मार्तण्ड पं. सीताराम शास्त्री आचार्य सम्मान के लिए करनाल की श्रीमती अंजू बाला को चयनित किया गया है। उन्होंने बताया कि विशिष्ट संस्कृत सेवा सम्मान पुरस्कार के लिए कैथल के राजेश नैन को उनकी संस्कृत क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रदान किया जाएगा। स्वामी धर्मदेव संस्कृत समाराधक सम्मान वर्ष 2021 के लिए गुरु रविदास संस्कृत महाविद्यालय (गुरुकुल पोहड़का) सिरसा का चयन किया गया है।

सुण छबीले बोल रसीले

करो योग रहो निरोग

- छबीले, योग कर लिया कर वरना कोय रोग इसा पकड़ लेगा अक बैध धौरै भी इलाज नहीं पावैगा।

- रसीले क्यूकर करूं योग, शर्म आवै सै।

- तब शर्म कितोड़ जावैगी जब डाक्टरां के चक्कर काटैगा ?

- के बताऊं भाई, जिब भी योग करण की कोशिश करूं सूं। मैडम ताने मारण लागज्या सै।

- के कहै सै?

- न्यू कहण लागज्या सै, रहण दे रामदेव। कोई हाडी-पांसली सरकज्यागी। जिसा सै उसा भी नहीं रहैगा।

- देख भाई, योग करण में कोई पिस्सा तो लागता नहीं। थोड़ी बोहत खुराक खा लिया कर। दस रुपयै ईब शरीर पै ला ले, वरना फेर सौ रुपयै डाक्टर ताहीं देणे पड़ैंगे।

- बीमारियां तै बचणा बहुत जरुरी सै छबीले। न्यू कहा करैं, पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख धन माया। शरीर में थोड़ा सा बी नुक्स होज्या सै तो कुछ भी आच्छा नहीं लागता। ना किसे तै बात करी जां और ना किसे काम में जी लागै। और तो और घरके भी न्यू कहण लागज्यांगे अक यू माणस और दुखी करर्‌या सै। तो इसलिए भाई इस शरीर रूपी मंदिर की सफाई बहुत जरुरी सै। दखे राम का नाम भी जिबै लिया जा सै जिब मन और तन सुखी हो। बीमारी में कोये कितणाए ज्ञान दे ले कुछ पल्लै ना पड़ै।

- छबीले मैं तो एक बात और कहूं सूं। ईब जिब ये नई पंचायत बणज्यांगी तो पूरे गाम में सफाई अभियान चलाया जा। गाम में कितोड़ भी कोई गंदा पानी खड़ा नहीं होणा चाहिए। गलियां की सफाई परोपर हो और सारे मकानां आलै अपने अपने आसपास की सफाई की जिम्मेवारी लें। डांगर ढोर वाले भी सफाई का पूरा ध्यान राखैं।

- हां भाई, बहुत से गामां में माच्छरां की वजह तैं तरहां तरहां के बुखार होण की शिकायत सुणन में आवैं सैं। इसकी वजह तैं बहुत नुकसान होज्या सै।

- पर भाई रसीले, गाम में बोहत से मकान और खाली प्लाट तो इसे सैं अक उनमें कोई ना रहता। उनका के इलाज?

- उनका इलाज करण खातिर पंचायत गाम आलां की बैठक बुलावै और उसमें विचार करकै समाधान निकाला जा। एक घर में बीमारी आज्या सै तो पड़ौसी कै जाणके पूरे चांस होज्या सैं। इसलिए सबनै सबका ख्याल राखणा पड़ैगा।

- बात यो सै, रसीले, घरां के निकासी के पाणी की ठीक व्यवस्था होज्या तो कई समाधान होज्यां। इसके लिए पूरे प्रयास करणे पड़ैंगे। ये छोटे- छोटे काम तो खुद करणे होंगे, कोय सरकार खुद कोन्या करण आवै। सरकार नीति बणा सकै सै और मदद कर सकै सै। गांव में के काम होणे सैं या करवाणे सैं यो तो हाम सबनै मिल बैठकै सोचणा पड़ैगा। बहुत से गाम इसे सैं उनमें साफ सफाई बहुत गजब की सै। उड़े की पंचायतां नै गाम के सहयोग तैं बढ़िया बढ़िया पार्क भी बणवा राखै सैं।

- हां भाई, एक म्हारे गांव का स्कूल देखल्यो। उसके मैदान में इतणे झाड़ झंखाड़ खड़्या सै अक बालकां नै डर भी लागै सै। बरसात के दिनां में तो कतई मुश्किल होज्या सै। स्कूल ही नहीं गांव की डिस्पेंसरी नै देखल्यो। सफाई तो उड़ै भी कोन्या होती। देख्या तो यो भी गया सै अक उड़ै पीणे के पानी की सही व्यवस्था नहीं होती और बाथरूम की सफाई नहीं होती।

- भाई यो कमी गाम आल्यां की सै। पंचायत न चाहिए कि वो स्कूल, डिस्पेंसरी व अन्य सरकारी तथा गाम साझली जगहां पै जावैं और सफाई करावैं। टीचर हों या डाक्टरी स्टाफ उनकी मदद करैं। आखिर उड़ै जाण आले आपणे गाम के बालक हो सैं। उनके स्वास्थ्य का ख्याल तो जिबै रहैगा जिब हाम कुछ कदम आगै बढ़ावैंगे।

- हां भाई गाम की व्यायामशाला में इस सरकार नै योग टीचर भी ला राखे सैं। विज साहब नै आदेश दिए सैं अक वे टीचर गांव वालों के टाइम के अनुसार व्यायामशाला में रहैं और योग पर उनका पूरा ध्यान दें। सफाई की तो उड़ै भी चाहिए।

- छबीले, ग्राम पंचायत की आमदनी इतनी तो जरुर हो सै अक गांव में जरुरत के हिसाब तैं सफाई कर्मचारी व मालियां की भर्ती कर लें और उननै वेतन दे दें। पेड़ पौधे लगाण का काम तो सारे गाम आल्यां नै करणा चाहिए। और जिस पचांयत धौरै बजट ना हो वे जिला प्रशासन तैं बात करैं और बजट ले लें। सीएम साब बार बार कहैं सैं अक विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं होगी। बशर्ते ग्राम पंचायतें व समितियां आगे बढ़कर काम कराणे का प्रयास करें।

- छबीले, सरकार की नीयत में कोई खोट कोन्या, गड़बड़ जिब होवै सै जिब म्हारे में खोट आज्या सै। तो ईब नए सिरे तैं ग्राम पंचायत आगी सैं। मिलजुल कै काम कराओ ताकि बिना किसी परेशानी के जीवन बसर हो सकै।

- मनोज प्रभाकर

फ़र्क़ नहीं पड़ता

हर बार लौटकर
जब अंदर प्रवेश करता हूँ
मेरा घर चौंककर कहता है 'बधाई'
ईश्वर, यह कैसा चमत्कार है
मैं कहीं भी जाऊँ, फिर लौट आता हूँ
सड़कों पर परिचय-पत्र माँगा नहीं जाता
न शीशे में सबूत की ज़रूरत होती है
और कितनी सुविधा है कि हम घर में हों या ट्रेन में
हर जिज्ञासा एक रेलवे टाइम टेबुल से
शांत हो जाती है
आसमान मुझे हर मोड़ पर
थोड़ा-सा लपेटकर बाक़ी छोड़ देता है
अगला क़दम उठाने या बैठ जाने के लिए
और यह जगह है जहाँ पहुँचकर
पत्थरों की चीख़ साफ़ सुनी जा सकती है
पर सच तो यह है कि यहाँ
या कहीं भी फ़र्क़ नहीं पड़ता
तुमने जहाँ लिखा है 'प्यार'
वहाँ लिख दो 'सड़क'
फ़र्क़ नहीं पड़ता
मेरे युग का मुहाविरा है, फ़र्क़ नहीं पड़ता
अक्सर महसूस होता है
कि बग़ल में बैठे हुए दोस्तों के चेहरे
और अफ़्रीका की धुँधली नदियों के छोर
एक हो गए हैं, और भाषा जो मैं बोलना चाहता हूँ
मेरी जिह्वा पर नहीं,
बल्कि दाँतों के बीच की जगहों में सटी है
मैं बहस शुरू तो करूँ
पर चीज़ें एक ऐसे दौर से गुज़र रही हैं
कि सामने की मेज़ को, सीधे मेज़ कहना
उसे वहाँ से उठाकर
अज्ञात अपराधियों के बीच में रख देना है
और यह समय है, जब रक्त की शिराएँ शरीर से कटकर
अलग हो जाती हैं और यह समय है
जब मेरे जूते के अंदर की एक नन्हीं-सी कील
तारों को गड़ने लगती है।

- केदारनाथ सिंह

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com